डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2026-28

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सारांश

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

पेज 07

वर्ष-11, अंक-03, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com हरदा, बुधवार 27 मई 2026

सार-समाचार

कुएं की खुदाई के मिट्टी धंसी, 5 मजदूरों की मौत

पन्ना। पन्ना जिले के अजयगढ़ क्षेत्र के बीहरपुरवा गांव में कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में पांच मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल शामिल हैं। जानकारी के अनुसार यह कार्य विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के तहत किया जा रहा था। हादसा मंगलवार सुबह लगभग दस बजे हुआ, जब अचानक कुएं की मिट्टी धंस गई और मजदूर उसके नीचे दब गए। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के तीन घंटे बाद भी प्रशासनिक टीम मौके पर नहीं पहुंची, जिसके कारण राहत कार्य में देरी हुई। स्थानीय लोगों ने स्वयं जेसीबी मंगाकर बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन तब तक मजदूरों की जान नहीं बचाई जा सकी। कलेक्टर ऊषा परमार मौके पर पहुंचीं और परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया तथा मामले की जांच के आदेश दिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान में बेबेसिया वायरस संक्रमण फैलने का अंदेशा

अमरेली। गुजरात के गिर जंगल क्षेत्र में दो शेर शावकों की संदिग्ध बाबेसिया वायरस संक्रमण से मौत हो गई है। वहीं, तीन अन्य शेरों की अलग-अलग घटनाओं में प्राकृतिक कारणों और आपसी संघर्ष में जान गई। राज्य के वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि गिर जंगल में किसी बड़े संक्रमण या महामारी जैसी स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि बेबेसिया वायरस से केवल दो संदिग्ध मौतें जुड़ी हैं, जबकि बाकी तीन शेरों की मौत अन्य कारणों से हुई है। मोढवाडिया ने बताया कि बाबेसिया वायरस टिक यानी किलनी के जरिए फैलता है। इससे संक्रमित जानवरों में कमजोरी, खांसी और नाक से स्राव जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीमें वायरस के फैलाव को रोकने में जुटी हैं। संदिग्ध शेरों की पहचान की जा रही है, उनके सैंपल लिए जा रहे हैं और इलाज भी किया जा रहा है। इससे पहले 2018 में बेबेसिया वायरस से ही एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी।

होर्मुज स्ट्रेट फिर खुलेगा, ईरान नहीं वसूलेगा टोल: विश्व अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही महत्वपूर्ण बातचीत से वैश्विक व्यापार को बड़ी राहत मिल सकती है। यदि दोनों देश किसी समझौते पर पहुँचते हैं, तब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक, होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से फिर से खोल दिया जाएगा। सबसे अहम बात यह है कि ईरान जहाजों से किसी भी प्रकार का टोल या ट्रांजिट टैक्स नहीं वसूलेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सीधा फायदा मिलेगा। होर्मुज स्ट्रेट खाड़ी देशों से निकलने वाले अधिकांश तेल और गैस को दुनिया भर में पहुँचाने का मुख्य मार्ग है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक बड़े हिस्से के लिए इसी मार्ग पर निर्भर करता है। इस मार्ग के बंद होने से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में भारी उछाल आ सकता था। रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते के 30 दिनों के भीतर, स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटा दिया जाएगा, जिससे जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी। कतर में जारी इन उच्च-स्तरीय वाताओं में ईरान का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शामिल हैं।

जनसंख्या में असामान्य बदलाव से सरकार चिंतित

जाँच के लिए पूर्व जस्टिस नावलेकर की अध्यक्षता में बनाई कमेटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में कहा- यह कमेटी अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या में बदलाव का आकलन करेगी।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश की जनसंख्या में हो रहे असामान्य बदलाव की स्टडी के हाई-लेवल कमेटी का गठन किया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (रिटा) को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में कहा- यह कमेटी अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या में बदलाव का आकलन करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य बदलाव के पैटर्न की स्टडी करके समाधान भी पेश करेगी। उन्होंने लिखा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला असामान्य जनसंख्या बदलाव किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है।

सीमा पर 6 माह में लगेंगे ड्रोन रोधी सिस्टम

बीकानेर: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राजस्थान के बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल की सांचू पोस्ट का दौरा किया। गृहमंत्री ने कहा कि सरकार अगले छह महीनों में सीमा पर ड्रोन रोधी प्रणाली लगाने की शुरूआत करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि केवल ड्रोन को निष्क्रिय करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी जांचना आवश्यक है कि उसे कौन प्राप्त करता है और उसका उपयोग कैसे किया जाता है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रहरी सम्मेलन में गृहमंत्री शाह ने कहा कि वे इस ऐतिहासिक चौकी को देखने की इच्छा लंबे समय से रखते थे और उन्होंने सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर जवानों से चर्चा की। उन्होंने 1964 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि सांचू क्षेत्र की सामरिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उस समय पाकिस्तान की ओर से कब्जे का प्रयास किया गया था, जिसे सीमा सुरक्षा बल, ग्रेनेडियर और राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी के जवानों ने मिलकर विफल कर दिया था।

नॉर्थ 24 परगना/मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें पुलिस के हवाले किया जाए और इसके बाद सीमा सुरक्षा बल उनकी वापसी में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठियों को किसी भी स्थिति में संरक्षण नहीं दिया जाएगा और उन्हें जल्द से जल्द देश छोड़ना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार उन्हें जेल में रखकर भोजन नहीं कराएगी, बल्कि उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी। उनके अनुसार बांग्लादेश के अधिकारी भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि अपने नागरिकों को वापस लिया जाएगा। इधर, उत्तर चौबीस परगना जिले के हाकिमपुर चेक पोस्ट पर मंगलवार सुबह से सौ से अधिक विदेशी नागरिकों के एकत्र होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि ये लोग पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से रह रहे थे और अब स्वेच्छा से सीमा के पास पहुंचकर बांग्लादेश लौटने की प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा मुर्शिदाबाद जिले में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को होल्डिंग सेंटर भेजे जाने की सूचना है। इन तीनों को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनसहयोग से पूर्ण हो रहे हैं लक्ष्य: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा तट पर रामघाट पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में सहभागिता की। इस अवसर पर मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैंड ने रामघाट पर मनमोहक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि उज्जैन सहित प्रदेशभर में गंगा दशहरा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैंड की प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया है।

बैंड के सदस्यों ने संगीत मय कार्यक्रम से रामघाट पहुंचे नागरिकों को मनमोहक धुनें सुनवाकर इस शाम को यादगार बना दिया है। मोक्ष दायिनी मां शिप्रा की दो दिवसीय तीर्थ परिक्रमा मंगलवार को संपन्न हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विधिवत पूजन-अर्चन कर शिप्रा में चुनरी अर्पित की। जल संचयन और जल संरक्षण में आगे है मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशभर में जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सभी प्रमुख तालाब, कुएं, बावड़ी, पोखर, नदियों के उद्गम स्थलों पर जनसहयोग के जरिए जल संचयन के लिए कार्य जारी हैं। अब तक लगभग 2 लाख से अधिक काम पूरे किए गए हैं।

देश में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करते हुए मध्यप्रदेश इस मामले में पहले स्थान पर है। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य महंत श्री उमेश नाथ महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, उज्जैन के महापौर श्री मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नवीन सोलंकी, नगर निगम की सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिलाध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय अनेक निगम-मंडलों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी को बताया कर्मयोगी, लाल चौक से लेकर सुशासन तक की यात्रा का उल्लेख

नई दिल्ली। दिल्ली के पूसा स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापनः नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभवज् का विमोचन किया गया। यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके लगभग पैंतीस वर्षों के अनुभवों पर आधारित है। कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा ने पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने अपने

अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर्मयोगी और असाधारण व्यक्तित्व वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि उनका और प्रधानमंत्री का साथ वर्ष 1991 की एकता यात्रा से शुरू हुआ था, जब कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराने का संकल्प लिया गया था। उस समय आतंकवाद के माहौल में भी यात्रा जारी रखी गई और अंततः लाल चौक पर तिरंगा फहराया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व कठोर निर्णय लेने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं के प्रति संवेदनशील भी रहा है। प्रधानमंत्री की सोच से प्रेरणा मिली शिवराज सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री से जुड़े कई अनुभवों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जल प्रबंधन, बिजली आपूर्ति और तकनीकी उपयोग जैसे क्षेत्रों में प्रधानमंत्री की सोच से उन्हें प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में चौबीस घंटे बिजली और जल परियोजनाओं के विस्तार में इन अनुभवों का प्रभाव रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर जोर दिया और जनता से सीधे संवाद को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि जनसेवा परिणामों पर आधारित होनी चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि यह पुस्तक सभी के लिए प्रेरणादायक है और विशेष रूप से युवा नेताओं को इसे पढ़ना चाहिए। उन्होंने शिवराज सिंह चौहान के लंबे मुख्यमंत्री कार्यकाल की सराहना करते हुए इसे बेदाग बताया।

संपादकीय

सुविधाओं और सोशल मीडिया की दुनिया में बढ़ती दिखावे की संस्कृति

इन दिनों एक कहावत हर तरफ कही-सुनी जाती है— 'जो दिखता है, वही बिकता है।' मतलब यह कि बिकने के लिए 'दिखना' जरूरी है। यह कहावत आज की 'अर्थवादी संस्कृति' की ओर इंगित करती है। साथ ही इसका निहितार्थ यह भी है कि बाजार के इस युग में मूल्य ही सर्वोपरि है। मूल्यांकन का आधार अलग-अलग हो सकता है। मूल्य सिर्फ नकद रूप में नहीं दिख सकता, लेकिन उस मूल्य की जद में अर्थ ही होता है, क्योंकि मोल तो मूल्य से ही होता है। हां, यह संभव है कि मूल्य का स्वरूप अलग हो। कोई व्यक्ति बहुत अमीर है, उसके पास काफी पैसे हैं, तो वह अपनी अमीरी दिखाने के लिए नोटों की गड्डियां सिर पर लादकर नहीं चल सकता। उसकी अमीरी उसके परिधान, उसके आभूषण, उसकी कार और दूसरे संसाधनों से आंकी जा सकती है। दिखावे की दुनिया में पैसे के बिना रंग-रोगन नहीं चढ़ सकता। पैसे की चमक दूर से दिखती है, भले ही वह नकद रूप में न रहे। पैसे से न सिर्फ चलन बदल जाता है, बल्कि चाल भी बदल जाती है। अपनी अमीरी दिखाने के लिए लोग कोई भी उपक्रम अपनाने से बाज नहीं आते। विशेष मौकों पर यह उपक्रम अपनी पराकाष्ठा पर तो होता ही है, अन्य मौकों पर भी जहां गुंजाइश बनती है, लोग दिखावा करने से नहीं चूकते। इसके पीछे मानसिकता यह होती है कि समृद्धि और संपन्नता का आकलन कर ही व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठा मिलती है। कमोबेश यह सही भी है। आर्थिक युग में ऐसा संभव है। लोग मानते हैं कि पैसा सब कुछ नहीं, फिर भी बहुत कुछ है। पैसा है, तो सारे साधन और संसाधन उपलब्ध किए जा सकते हैं। यानी जिसके पास सारे संसाधन हैं या तमाम संसाधन जुटाने की क्षमता है, उसे अर्थप्रधान समाज में अपेक्षाकृत अधिक प्रतिष्ठा मिलना भी स्वाभाविक है। इस दुनिया के अलग-अलग रंग और रूप हैं। आम मौके पर, जहां सिर्फ परिवार, समाज और सामान्य लोग ही होते हैं, वहां भी लोग अपनी श्रेष्ठता साबित करने की भरपूर कोशिश करते हैं। अर्थशास्त्र में इच्छा, आवश्यकता और मांग में अंतर बताए गए हैं, लेकिन अब अर्थ के नित्य नए शास्त्र लिखे और पढ़े जा रहे हैं। एक डॉक्टर के लिए भी कार आवश्यकता की वस्तु है और एक शिक्षक के लिए भी। डॉक्टर को मरीजों के इलाज के लिए जल्दी पहुंचना होता है। समय पर नहीं पहुंचने पर मरीज की जान भी जा सकती है, इसलिए कार डॉक्टर की जरूरत है, लेकिन शिक्षक के साथ ऐसी बात नहीं है। अगर कुछ मिनटों की देरी से वह कक्षा में जाता है, तो किसी की जान पर खतरा नहीं है। ज्ञान पर भी असर पड़ने की गुंजाइश नहीं है। मगर कार खरीदने की सामर्थ्य डॉक्टर के पास भी है और प्राध्यापक के पास भी। इस तरह इच्छा, आवश्यकता और मांग आज गड्डमड्ड हो गए हैं।

बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

भारत में दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि हजारों बेटियों की जिंदगी निगलने वाला वह दानव बन चुकी है, जो आधुनिक शिक्षा, कानून और जागरूकता के बावजूद आज भी समाज की मानसिकता पर हावी है। हर वर्ष दहेज उत्पीडऩ, आत्महत्या और हत्या के हजारों मामले सामने आते हैं, लेकिन कुछ दिनों की चर्चा के बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है।

हाल ही में चर्चित ट्विशा कांड को सीबीआई जांच के लिए सौंपा जाना इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है कि समाज और व्यवस्था दोनों अभी भी इस अपराध को रोक पाने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं।समय आ गया है कि समाज यह समझे कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक हैं। जिस दिन दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं बल्कि शर्म का विषय माना जाने लगेगा, उसी दिन एक आदर्श समाज की शुरुआत होगी।

दहेज की समस्या की जड़ केवल लालच नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा की विकृत सोच है। विवाह को आज भी कई परिवार सौदे की तरह देखते हैं, जहां लड़के की नौकरी, वेतन और हैसियत के आधार पर कीमत तय होती है। दुखद यह है कि शिक्षित और संपन्न वर्ग भी इस मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, फिर भी उत्पीडऩ समाप्त नहीं होता।

ट्विशा कांड जैसे मामले इसलिए अधिक भयावह बन जाते हैं क्योंकि वे समाज के उस चेहरे को सामने लाते हैं, जहां कानून का डर कमजोर और लालच की भूख मजबूत दिखाई देती है। जब किसी बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती है और परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकता है, तब लोगों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। ऐसे मामलों की ष्टक्चढ्ढ जांच इसलिए जरूरी मानी जाती है क्योंकि आम जनता निष्पक्ष और पारदर्शी जांच चाहती है।

हालांकि केवल जांच एजेंसी बदल देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता है कि दहेज विरोधी कानूनों को और प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी निष्पक्षता भी सुनिश्चित हो। तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बननी चाहिए ताकि पीड़ित परिवारों को वर्षों तक न्याय का इंतजार न करना पड़े। साथ ही झूठे मामलों को भी रोकना आवश्यक है, ताकि कानून की विश्वसनीयता बनी रहे।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव समाज की सोच में आना चाहिए। बेटियों को बोझ और बेटों को कमाई का साधन समझने वाली मानसिकता जब तक समाप्त नहीं होगी, तब तक दहेज का दानव जीवित रहेगा। विवाह को दिखावे और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनाने की बजाय सादगी और समानता का संस्कार विकसित करना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को दहेज विरोधी अभियान लगातार चलाने चाहिए।

आज जरूरत केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति की है। हर परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि न दहेज देंगे और न लेंगे। जब समाज स्वयं दहेज मांगने वालों का बहिष्कार करेगा, तभी इस दानव का अंत संभव होगा। अन्यथा ट्विशा जैसे कांड बार-बार देश को झकझोरते रहेंगे और बेटियों की चीखें व्यवस्था की फाइलों में दबती रहेंगी।

क्या आदर्श समाज दहेज को ना बोलेगा?

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र संबंध माना जाता है। लेकिन इस पवित्र रिश्ते पर दहेज जैसी कुप्रथा ने गहरा दाग लगा दिया है। आधुनिकता, शिक्षा और कानूनों के बावजूद दहेज की मांग आज भी समाज में अनेक परिवारों की पीड़ा का कारण बनी हुई है। सवाल यह है कि क्या हमारा समाज कभी सच में दहेज को पूरी तरह ना कह पाएगा?

दहेज प्रथा ने न केवल बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता को बढ़ावा दिया है, बल्कि अनेक परिवारों को आर्थिक और मानसिक संकट में भी धकेला है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार दहेज की मांग पूरी न होने पर बेटियों को प्रताडऩा, हिंसा और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सरकार ने दहेज निषेध कानून बनाए हैं, लेकिन केवल कानूनों से समस्या समाप्त नहीं होती। असली बदलाव समाज की सोच बदलने से आएगा। जब तक लोग दहेज को प्रतिष्ठा और सामाजिक हैसियत से जोड़कर देखेंगे, तब तक यह कुरीति जीवित रहेगी। दुख की बात यह है कि पढ़े-लिखे और संपन्न वर्गों में भी दहेज की मांग किसी न किसी रूप में जारी है। कहीं इसे उपहार का नाम दिया जाता है तो कहीं रीति-रिवाज कहकर उचित ठहराया जाता है।

आदर्श समाज वही होगा जहां बेटी और बेटा समान माने जाएं, जहां विवाह व्यापार नहीं बल्कि संस्कार बने। इसके लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यदि युवा स्वयं दहेज लेने और देने से इनकार कर दें, तो यह प्रथा काफी हद तक समाप्त हो सकती है। कई जागरूक परिवार और सामाजिक संगठन इस दिशा में सकारात्मक पहल भी कर रहे हैं। सादगीपूर्ण विवाह और दहेज मुक्त शादी का संदेश समाज में नई उम्मीद जगा रहा है।

शिक्षा भी इस लड़ाई का बड़ा हथियार है। बच्चों को बचपन से ही समानता, सम्मान और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए। मीडिया और सामाजिक मंचों को भी दहेज विरोधी अभियानों को मजबूती देनी होगी। समाज में ऐसे उदाहरणों को सम्मान मिलना चाहिए जो बिना दहेज विवाह कर एक नई मिसाल पेश करते हैं।

दहेज केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक समस्या है। इसे समाप्त करने के लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जब परिवार, समाज और युवा मिलकर यह संकल्प लेंगे कि विवाह में दहेज का कोई स्थान नहीं होगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

पानी बचाओ : समय की सबसे बड़ी जरूरत

रामशंकर चौधरी
सह संपादक शब्द सारांश

आज पूरा विश्व जल संकट की समस्या से जूझ रहा है। कभी नदियों और तालाबों से समृद्ध रहने वाले हमारे देश में भी अब कई क्षेत्रों में पानी की भारी कमी देखने को मिल रही है। बढ़ती जनसंख्या, भूजल का अत्यधिक दोहन, नदियों का प्रदूषण और पानी की बर्बादी इस संकट को और गंभीर बना रहे हैं। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति भयावह हो सकती है।

पानी केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। खेती, उद्योग, पशु-पक्षी और मानव जीवन — सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद हम पानी का उपयोग बड़ी लापरवाही से करते हैं। घरों में नल खुला छोड़ देना, वर्षा जल का संरक्षण न करना और जल स्रोतों को गंदा करना आम बात बन चुकी है। शहरों में बढ़ता कंक्रीट जंगल जमीन के भीतर पानी जाने से रोक रहा है, जिससे भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है।

गर्मी के दिनों में कई गांव और शहर पानी की समस्या से परेशान रहते हैं। लोगों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है। यह स्थिति बताती है कि यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो भविष्य में पानी को लेकर संघर्ष और बढ़ सकता है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले समय में जल संकट विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा। सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं, लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जब तक आम नागरिक अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है।

हमें वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा, पेड़ लगाने होंगे और हर बूंद पानी की कीमत समझनी होगी। किसानों को ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना चाहिए ताकि कम पानी में अधिक खेती हो सके। स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं को भी जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने में आगे आना चाहिए। बच्चों में बचपन से ही पानी बचाने की आदत विकसित करनी होगी। यदि हर व्यक्ति प्रतिदिन थोड़ी-थोड़ी पानी की बचत करे, तो यह एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जल संरक्षण को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनआंदोलन बनाया जाए। स्कूलों, गांवों और शहरों में लोगों को जागरूक करना जरूरी है।

यदि आज हमने पानी बचाने का संकल्प नहीं लिया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल है तो कल है — यह केवल नारा नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की सच्चाई है।

5 प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खिरकिया/छीपाबड़/शब्द सारांश। पुलिस अधीक्षक हरदा महोदय शंशाक के कुशल मार्ग दर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अमित मिश्रा तथा एसडीओपी खिरकिया रॉबर्ट गिरवाल एवं थाना प्रभारी छीपाबड के मार्ग दर्शन में थाना छीपाबड के अप.क्र. 432/2017 धारा 302, 307, 34 भादवि में माननीय न्यायालय संजीव राहंगडाले प्रधान न्यायाधीश किशोर न्याय बोर्ड हरदा द्वारा जारी स्थाई वारंट प्रकरण क्र. 08/2018 के वारंटी अमन कौशल पिता राकेश कौशल उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्र. 07 खिरकिया, अप.क्र. 376/19 धारा 376 (2) (एन), 354,294, 323, 506 भादवि 5/6 पाक्सो एक्ट में माननीय न्यायालय संजीव राहंगडाले प्रधान न्यायाधीश किशोर न्याय बोर्ड हरदा द्वारा जारी स्थाई वारंट प्रकरण क्र. 70/19 के वारंटी अमन कौशल पिता राकेश कौशल उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्र. 07 खिरकिया, अप.क्र. 46/2021 धारा 456, 336 भादवि में माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय हरदा द्वारा जारी स्थाई वारंट प्रकरण क्र. एसटी/79/21 के वारंटी अमन कौशल पिता राकेश कौशल उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्र. 07 खिरकिया, अप.क्र. 463/23 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में माननीय जेएमएफसी न्यायालय खिरकिया द्वारा जारी स्थाई वारंट आरसीटी क्र. 312/23 के वारंटी अमन कौशल पिता राकेश कौशल उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्र. 07 खिरकिया एवं अपराध क्रमांक 206/24 धारा 294,506,327 भादवि में जारी श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ईनामी उद्घोषणा में फरार आरोपी अमन कौशल पिता राकेश कौशल उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्र. 07 खिरकिया विगत कई दिनो से फरार चल रहा था जिसमे मुखबिर द्वारा उक्त स्थाई वारंट की सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी छीपाबड द्वारा टीम गठित कर उक्त स्थायी वारंट की तलाशी हेतु टीम को रवाना किया। बाद स्थायी वारंट तलाश कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इसमे सउनि जगन कुमार युवने आर. 19 उदयभान गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही

हरदा जिले में भी फिटनेस की सुविधा पुन: बहाल की जाए-जैन

विगत पाँच माह से हरदा जिला परिवहन कार्यालय से वाहनो के फिटनेस कराने की सुविधा है बंद

हरदा//शब्द सारांश। परिवहन विभाग का एक विचित्र निर्णय है कि हरदा व हरदा जिले की सभी तहसीलो में गुड्स वाहन, यात्री बसें स्कूल बसें एवं ऑटो रिक्शा इत्यादि मिलाकर लगभग 2500 से अधिक वाहन होगे और इन सभी वाहनों को समय समय पर जिला परिवहन कार्यालय से फिटनेस करना होता है,परंतु अज्ञात कारणों से तक विगत पाँच माह से हरदा जिला परिवहन कार्यालय से वाहनो के फिटनेस कराने की सुविधा समाप्त कर दी गई है किंतु यही फिटनेस की सुविधा जिला परिवहन कार्यालय होशंगाबाद, बैतूल, खंडवा व बुरहानपुर आदि हरदा के आस पास के जिला परिवहन कार्यालयो में चालू है।फिटनेस के लिए हरदा जिले के वाहन स्वामियों को

अपने वाहनो को लेकर इन उपरोक्त कार्यालयो में फिटनेस प्रमाण पत्र लेने जाना पड़ता है। जो श्रम, समय एवं ईंधन की बर्बादी है,क्योकि उपरोक्त सभी कार्यालय हरदा से लगभग 100 किमी की दूरी पर हैं। अध्यक्ष जैन ने कहा वर्तमान समय अनुसार प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के ऊर्जा बचत अभियान के विरोध में भी प्रतीत होता है इस विषय पर ध्यान आकृषित करने के लिए ट्विट्टर के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी और परिवहन मंत्री जी को ज्ञापन प्रेषित किया गया।और माँग की गई कि पूर्व अनुसार हरदा जिले में भी फिटनेस की सुविधा पुन: बहाल की जाए।

पटवारी संघ ने मूंग गिरदावरी में आ रही समस्याओं को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम/सिवनीमालवा। प्रांतीय पटवारी संघ, तहसील सिवनी मालवा द्वारा जायद गिरदावरी 2026 (मूंग फसल) के संपादन में उत्पन्न तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं के निराकरण हेतु एक ज्ञापन सौंपा गया। तहसील अध्यक्ष दीपेश सराठे और तहसील सचिव पवन ताम्रकार के नेतृत्व में पटवारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने यह ज्ञापन तहसीलदार नितिन कुमार झोड़ को सौंपा ज्ञापन में संघ ने शासन के 21 मई 2026 के पत्र के संदर्भ में अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। पटवारी संघ की प्रमुख आपत्तियां इस प्रकार हैं।संघ ने मांग की है कि वर्तमान गिरदावरी कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए पूर्व से पंजीकृत एवं अनुभवी सर्वेयरों की आईडी तत्काल प्रभाव से पुन: बहाल की जाए। संघ ने तर्क दिया है कि प्रदेश के लगभग 90 प्रतिशत खेतों में मूंग की कटाई पूरी हो चुकी है, जिससे फसल विहीन खेतों में जियो-टैगिंग का कोई औचित्य नहीं है।

अधिकारियों ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

शब्द सारांश | हरदा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजली जोसेफ ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय, एसडीएम हरदा श्री अशोक डहेरिया, एसडीएम टिमरनी श्री संजीव नागू, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में ग्राम कमताड़ा निवासी विक्रांत फुलरे ने जमीन का नामांतरण कराने हेतु आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार हंडिया को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। अभिषेक ग्रीन वैली निवासी नवीन अग्रवाल ने पाइपलाइन चेंबर चौक होने से फेल रही गंदगी के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में ग्राम रेलवा निवासी नितिन दुगाया ने शहीद इलाप सिंह उद्वहन सिंचाई परियोजना का लाभ प्राप्त न होने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम पलासनेर निवासी रूपाली यादव ने उपार्जित गेहूँ का समिति प्रबन्धक द्वारा बिल न बनाने की शिकायत की, जिस पर संबंधित अधिकारी को मामले की जांच कर आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में ग्राम बूंदड़ा निवासी अमन बिजगावने ने चना विक्रय के उपरान्त भुगतान प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला विपणन अधिकारी को मामले की जांच कर आवेदक का भुगतान कराने के निर्देश दिये गये।

खेल में सफलता केवल शरीर से नहीं, श्रेष्ठ व्यक्तित्व से प्राप्त होती है

आरोह 2026 के तहत खिलाड़ियों के व्यक्तित्व विकास हेतु सेमिनार सम्पन्न

शब्द सारांश | हरदा

खेल एवं युवा कल्याण विभाग हरदा द्वारा संचालित आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु एक विशेष प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन किया गया। ब्लाक समन्वयक सुश्री सलमा खान ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों को शारीरिक दक्षता के साथ मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी सशक्त बनाना था।

ब्रह्मकुमारीज से पधारे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मोटिवेशनल वक्ता बी.के. सुभाष भाई ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शरीर को मजबूत बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच एवं चरित्र निर्माण की श्रेष्ठ पाठशाला है। उन्होंने कहा कि खेल में वास्तविक जीत केवल शारीरिक शक्ति से नहीं, बल्कि अच्छे व्यक्तित्व, दृढ़ मनोबल एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से प्राप्त होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण एवं आत्मसंयम अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि यदि खिलाड़ी मानसिक रूप से मजबूत हो जाए तो वह हर परिस्थिति में सफलता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को कई सुंदर एवं रोचक जुंबा डांस, शारीरिक व्यायाम भी करवाई गई, जिनके माध्यम से टीम भावना, एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का अभ्यास कराया गया।

ब्रह्मकुमारीज से पधारे बी.के. राजेश भाई ने मेडिटेशन एवं सकारात्मक चिंतन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक सफल खिलाड़ी वही होता है जो खेल मैदान के साथ-साथ अपने व्यवहार, व्यक्तित्व एवं नैतिक मूल्यों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करे। उन्होंने खिलाड़ियों को तनावमुक्त एवं एकाग्रचित्त रहने के लिए नियमित राजयोग मेडिटेशन अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बीके किरण दीदी एवं बीके भव्यता दीदी ने खिलाड़ियों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया तथा मन को शक्तिशाली एवं स्थिर बनाने की अनुभूति कराई। खिलाड़ियों ने ध्यान अभ्यास के माध्यम से मानसिक शांति एवं आत्मबल का अनुभव किया।

जिले के सभी स्कूलों के 500 मीटर क्षेत्र को बनाया जाएगा नो-ड्रग जोन

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को मासिक टास्क फोर्स 15 समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में टास्क फोर्स में शामिल विभिन्न 15 समितियों के एजेन्डा पर बिन्दुवार चर्चा की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री शशांक, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, वनमण्डलाधिकारी ज्योति मुड़िया सहित विभिन्न समितियों के सदस्य उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर श्री जैन ने रोस्टर बनाकर नगरीय क्षेत्र का अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि रोस्टर अनुसार दिन तय कर नगरीय क्षेत्र में पॉलिथीन के उपयोग को हतोत्साहित किया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शशांक ने निर्देश दिये कि जिले के सभी स्कूलों के 500 मीटर क्षेत्र को नो-ड्रग जोन बनाया जाए। उन्होने कहा कि सभी स्कूलों में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता लगाने के लिये भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएं। पुलिस अधीक्षक ने हाई-वे पर दोपहियां वाहन चालकों द्वारा अनिवार्य रूप से हेल्मेट लगाये जाने के लिये अभियान संचालित करने के भी निर्देश दिये। उन्होने कहा कि बिना हेल्मेटधारी दोपहिया वाहन चालकों से नियमानुसार जुर्माना वसूला जाए। बैठक में हाई-वे के किनारे से सख्ती से अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिये गये। साथ ही वन क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने के लिये भी सख्ती से कार्यवाही करने के लिये कहा गया। इस दौरान सवारी वाहनों की जांच के लिये भी जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया। साथ ही तेज आवाज करने वाले मोटर साइकिल चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। बैठक में जघन्य एवं सनसनीखेज अपराधों से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शासकीय अधिवक्ता से कहा कि पुराने प्रकरणों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की जाए।

तम्बाखू का सेवन नहीं करने की शपथ ली गई: बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं समिति सदस्यों द्वारा तम्बाखू निषेध एवं तम्बाखू से बने उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ ली गई।

स्वयं दिव्यांग फिर भी अतिरिक्त समय में बना रहे लोगों को साक्षर

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

कलेक्टर ने स्वयं अपनी डायरी में लिया अक्षर साथियों का ऑटोग्राफ

नर्मदापुरम/शब्द सारांश

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं अक्षर साथियों को कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया। शासकीय प्राथमिक शाला ईपीईएस आमूपुरा के दिव्यांग शिक्षक प्रेम सिंह सोनगरा को साक्षरता कार्यक्रम में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया। वहीं अक्षर साथी द्वारा साक्षर की गई अनीता यादव, जो वर्तमान में स्व-सहायता समूह का सफल संचालन कर रही हैं, उन्हें भी कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए अपनी डायरी में उनके ऑटोग्राफ भी लिए। यह क्षण कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा इसके पूर्व आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। जिला शिक्षा केंद्र के माध्यम से संचालित इस अभियान के उद्देश्य एवं लक्ष्यों की जानकारी डीपीसी डॉ. राजेश जायसवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से उन विकासखंडों की समीक्षा की, जहां इस वर्ष अपेक्षाकृत कम असाक्षर साथियों को परीक्षा में सम्मिलित कराया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इसके कारणों की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने नियमित निरीक्षण के दौरान उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान अंतर्गत संचालित सामाजिक चेतना केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें, ताकि अभियान को अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाया जा सके।

किसानों के साथ 30 लाख 87 हजार रुपए की धोखाधड़ी कर भागा व्यापारी

कुछ को दिए चेक हुए बाउंस, मां नर्मदा वेयरहाउस से वजन कराकर धान को ले गया बरेली

शब्द सारांश नर्मदापुरम। सोहागपुर थाना अंतर्गत किसानों के साथ एक व्यापारी ने धान खरीदी के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी कर फरार हो गए। मामले में सोहागपुर पुलिस ने किसानों की रिपोर्ट पर व्यापारी के खिलाफ मामला दर्ज कर कारवाई शुरू कर दी है। फरियादी नरेश सिंह लोधी निवासी ग्राम माछा और अन्य किसानों द्वारा आरोपी ओमप्रकाश सोनी पिता लक्ष्मीनारायण सोनी निवासी गणेश मंदिर के सामने बरेली जिला रायसेन के विरुद्ध केस दर्ज कराया। ओमप्रकाश सोनी सोना चांदी व धान खरीदने का काम करता है। सोनी ने 15 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक ग्राम माछा के किसानो से।3700 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से धान खरीदी और बिना पैसे दिये बिना ही भाग गया है। ग्राम माछा के किसानों से छलपूर्वक धान खरीदकर खरीदी के रुपये देने आनाकानी करने लगा। कुछ किसानों को कुछ रुपये एवं बैंक आफ बड़ौदा के चैक दिये है और कुछ दिनों में रुपयों देने का बोलकर रुपये दिये बिना ही किसानों के साथ धोखाधड़ी कर घर से भाग गया। किसानों से तौल पर्चियां एवं चैक जप्त किये गये है। धान खरीदी के 30,87,290 रुपये दिये बिना धोखाधड़ी कर घर से भाग जाना पाया जाकर धारा 318 (4) बी.एन.एस के चलते केस दर्ज किया। सभी किसानों से 3700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की कर ग्राम माछा स्थित मां नर्मदा वेयर हाउस से वजन कराकर धान को बरेली ले जाया गया अभी तक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अब न तो फोन उठा रहा है और मोबाइल बंद कर लिया है तथा घर पर ताला लगाकर घर से भाग गया है।

इन किसानों के साथ हुई धोखाधड़ी: नर्मदाप्रसाद लोधी 37.50 क्विंटल कुल देय 1,38,750/- रुपये, जितेन्द्र लोधी 137.20 क्विंटल, कुल देय 5,07,640/- रुपये मिली राशी 2,00,000/- रुपये बकाया राशि 3,07,640/-, नरेश सिंह लोधी 82.80 क्विंटल, कुल देय 3,06,360/- रुपये, मिली राशी- 2,00,00/- रुपये, बकाया राशि 2,86, 360/-, बसंत वर्मा 160। खरीदी क्विंटल, कुल देय 5,92,000/- रुपये मिली राशी 1,43,000/- रुपये बकाया राशि 4,49,000/-, मोहन कतिया 41.40 क्विंटल, कुल देय 1,53,180/-रुपये, मिली राशी 40,000/- रुपये, बकाया राशि 1,13,180/- रुपये, विशाल वर्मा 40 क्विंटल, कंटल, कुल देय 1,48,000/- रुपये, मिली राशी 2,00,00/- रुपये बकाया राशि 1,28,000/-, बलराम वर्मा 76 क्विंटल , कुल देय 2,81,200/- रुपये, मिली राशी-50,000/- रुपये बकाया राशि 2,31,200/-, केशव पिता रामसेवक वर्मा-76,60 क्विंटल, कुल देय 2,83,420/-रुपये, मिली राशी 83,420/- रुपये, बकाया राशी 2,00,000/- रुपये, रोहित उर्फ राहुल लोधी 68 क्विंटल, कुल देय 2,51,600/- रुपये मिली राशी। 51,600/- रुपये बकाया राशी 2,00,000/- रुपये, विष्णु पिता कमल वर्मा 71.90 क्विंटल, कुल देय-2,66,030/- रुपये मिली राशी-65,000/- रुपये, बकाया राशी 2,01,030/- रुपये,भुरा सेठ-25.60 क्विंटल, केशव पिता लक्ष्मी प्रसाद वर्मा 269 क्विंटल, केशव पिता रामजी वर्मा वेयर हाउस 120 क्विंटल, बालकिशन वर्मा -83.30 क्विंटल है।

इनका कहना है

व्यापारी ने धान खरीदी की थी, लेकिन पेमेंट नहीं किया। कुछ-कुछ किसानों को चेक दिए जो बाउंस हो गए। केस दर्ज कर व्यापारी की तलाश के प्रयास तेज कर दिए हैं। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संजू चौहान, एसडीओपी सुहागपुर

नौ माह से लापता बालिका को जीआरपी ने खोजकर उसके माता पिता को सौंपा

नर्मदापुरम/इटारसी। ऑपरेशन विशेष मुस्कान अभियान के अंतर्गत जीआरपी इटारसी ने करीब नौ माह से लापता 14 वर्षीय बालिका को पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर जिले ढूंढकर उसके पिता को सुपुर्द कर दिया है। सूचनाकर्ता की रिपोर्ट पर थाना जीआरपी इटारसी पर अपराध क्रमांक 640/25 धारा 137 (2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया था प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 अगस्त 2025 को डिंडोरी निवासी एक व्यक्ति ने ट्रेन से ही उसकी बेटी के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला अपराध क्रमांक 640/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत पंजीबद्ध किया गया था। रेल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी जीआरपी इटारसी संजय चौकसे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद से बालिका की तलाश जारी रखी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को राजस्थान के भरतपुर जिले के ग्राम देवलापुर में बालिका के होने की सूचना मिली। टीम ने मौके पर पहुंचकर बालिका को सुरक्षित बरामद किया।दस्तयाब बालिका को 25 मई 2026 को उसके माता पिता के सुपुर्द कर दिया गया। इस सफलता पर पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए पुरस्कृत करने की घोषणा की है। उक्त कार्रवाई में उप निरीक्षक अनितलाल,प्रधान आरक्षक मुन्नालाल, आरक्षक बृजेंद्र कुमार, आरक्षक दीपक सेन, महिला आरक्षक स्वाति, महिला आरक्षक प्रियंका चौधरी सहित साइबर सेल भोपाल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिवम वेयर हाउस से 65 कट्टे गेहूं की चोरी, अज्ञात चोरों पर मामला दर्ज

नर्मदापुरम। जिले के पुलिस कप्तान साई कृष्णा एस थोटा के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में जिले भर में पुलिस के द्वारा सट्टा जुआ ओर अवैध शराब के विरुद्ध कारवाई की जा रही है। जिले के 4 थानों में सट्टा ओर जुआ एक्ट के पुलिस ने 11 मामले दर्ज कर 5 सटोरियों ओर एक दर्जन जुआरियों को गिरफ्तार कर कारवाई की है। जिसमें स्टेशन रोड थाना पिपरिया में सट्टा एक्ट के 5 ओर सोहागपुर थाना में जुआ एक्ट के 5 और माखन नगर थाना में जुआ एक्ट का एक मामला दर्ज किया गया है। **वेयर हाउस से 65 कट्टी गेहूं की चोरी:** देहात थाना अंतर्गत शिवम वेयर हाउस पवारखेड़ा में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर लगभग 65 कट्टी गेहूं से भरे चोरी कर फरार हो गए।इस मामले में देहात थाना पुलिस ने शांति नगर निवासी फरियादी मनीष नवलानी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

MPHIN/2017/74252
जिला कार्यालय
साप्ताहिक
शब्द सारांश
खबरों का आईना
मेरा गाँव मेरा शहर
मुद्दों पर बात
नरसिंहपुर जिले में तहसील स्तर पर एजेंसी देना है संपर्क करें :
स्टेशन रोड, नरसिंहपुर
जिला ब्यूरो - संदीप राजपूत मो. 9977373868

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक
फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आड़े-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज
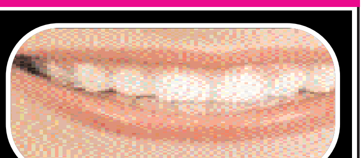
डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)
पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर
कम्प्यूटर से संबंधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्यूटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है
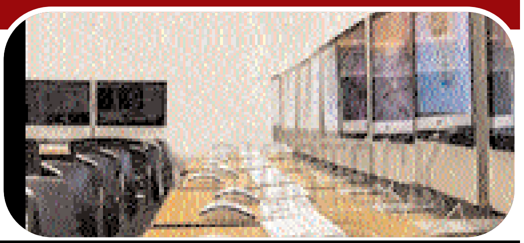
दीपक कुमार नेमा (संचालक)
पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बनेगा रिसोर्स पूल- मंत्री सुश्री भूरिया

महिला वित्त एवं विकास निगम की 80वीं संचालक मंडल की बैठक में हुए बड़े फैसले

भोपाल। महिला सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए महिला वित्त एवं विकास निगम को नई कार्य संस्कृति और परिणामोन्मुखी भूमिका में लाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में मंत्रालय में मध्यप्रदेश महिला वित्त एवं विकास निगम की 80वीं संचालक मंडल समिति की बैठक हुई। बैठक में जिसमें निगम की कार्यप्रणाली, लंबित प्रस्तावों, महिला रोजगार, कौशल विकास और संस्थागत सुधारों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मंत्री सुश्री भूरिया ने स्पष्ट कहा कि महिला-बाल विकास विभाग का मूल उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि महिलाओं का वास्तविक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण है। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला वित्त एवं विकास निगम को प्रदेश की महिला वर्क-फोर्स तैयार करने वाली प्रमुख संस्था के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए निगम एक व्यापक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करेगा, जिसमें महिलाओं की कौशल दक्षता का परीक्षण कर उन्हें कुशल, अर्द्ध-कुशल और अकुशल श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि अकुशल एवं अर्द्ध-कुशल महिलाओं को व्यवस्थित प्रशिक्षण देकर विभिन्न विभागों, उद्योगों और संस्थानों की मांग के अनुरूप रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निगम महिला श्रमिकों, कारीगरों और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित महिलाओं का रिसोर्स पूल विकसित करे, जिससे प्रदेश के विभागों और संस्थाओं को आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षित महिला वर्क-फोर्स उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि महिला वित्त एवं विकास निगम अब केवल वित्तीय गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कौशल विकास, बाजार संपर्क, तकनीकी प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में भी सक्रिय भूमिका निभाएगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने अन्य राज्यों में महिला वित्त विकास निगमों की कार्यपद्धति का अध्ययन कर बेहतर मॉडल अपनाने के निर्देश दिए। बैठक में शी-मार्ट कॉन्सेप्ट पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर भी गंभीर नाराजगी व्यक्त की गई। संचालक मंडल ने कहा कि अक्टूबर 2024 की बैठक में यह प्रस्ताव पारित हो चुका था और यदि समय रहते इस पर कार्यवाही होती तो मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन सकता था। उल्लेखनीय है कि अब इसी प्रकार की अवधारणा को भारत सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल किया है। बैठक में निगम के सुदृढ़ीकरण को लेकर पूर्व में प्रस्तावित चैनल पार्टनर व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। मंत्री सुश्री भूरिया ने स्पष्ट किया कि निगम को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाते हुए केवल गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों और विशेषज्ञ एजेंसियों को ही जोड़ा जाए। कौशल विकास और फाइनेंशियल लिटरेसी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए हाई-क्वालिटी संस्थानों के एम्पैनलमेंट पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 1.6 लाख महिलाओं को रोजगार से जोड़ना, 50 हजार महिलाओं को बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देना तथा 500 से अधिक कंपनियों में जेंडर डाइवर्सिटी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। मंत्री सुश्री भूरिया ने निगम के प्रशासनिक ढांचे में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए भी सख्त निर्देश दिए। संचालक मंडल ने निर्णय लिया कि निगम के ऐसे कर्मचारी जो अन्यत्र अटैच हैं, उन्हें तत्काल नोटिस जारी किए जाएं तथा एक माह के भीतर मूल पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने की स्थिति में उनकी सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई की जाए। बैठक में महिला बाल विकास, सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि, आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती निधि निवेदिता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी सफलता

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना मजबूत करने हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाइयां की जा रही हैं। प्रदेश में सक्रिय अपराधियों की निगरानी, रात्रि गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग के साथ-साथ चोरी की घटनाओं के त्वरित खुलासे हेतु विशेष पुलिस टीमें गठित की जा रही हैं। इसी क्रम में नरसिंहपुर जिले के थाना गाडरवारा एवं थाना सुआतला पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कुल 09 चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए लगभग 28 लाख रुपये से अधिक की चोरी गई संपत्ति एवं वाहन जब्त कर तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। थाना गाडरवारा क्षेत्रांतर्गत 05 मई को आनंद विहार कॉलोनी स्थित एक सूने मकान से सोने के जेवर चोरी होने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों का संकलन कर रेलवे स्टेशन गाडरवारा के पास से एक संदेही को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई।

गर्मी का शरीर पर डबल अटैक, कमजोर हो रही है रोग प्रतिरोधक क्षमता

भोपाल। तपती गर्मी और लू के लगातार बढ़ते असर ने लोगों की सेहत पर गंभीर प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। इस बार गर्मी सिर्फ डिहाइड्रेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर के अहम अंगों पर भी सीधा असर डाल रही है। जेपी और हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में सामने आ रहे मरीजों ने डाक्टरों की चिंता बढ़ा दी है। अस्पतालों की ओपीडी में डायरिया, डिहाइड्रेशन, बुखार के साथ किडनी की समस्या के मरीज पहुंच रहें हैं। वायरल इंफैक्शन के कारण मरीजों में प्लेटलेट्स कम की शिकायत हो रही है। वहीं डिहाइड्रेशन से किडनी पर असर के मामले भी सामने आ रहे हैं। डाक्टरों के अनुसार अस्पताल पहुंच रहे वायरल इंफेक्शन के करीब 30 प्रतिशत मरीजों में प्लेटलेट्स कम होने की समस्या सामने आ रही है। आमतौर पर प्लेटलेट्स गिरने को डेंगू या मलेरिया से जोडकर देखा जाता है, लेकिन इस बार तेज गर्मी के कारण होने वाले वायरल संक्रमण में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। चिकित्सकों का मानना है कि अत्यधिक तापमान और वायरल अटैक के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है, जिससे ब्लड काउंट प्रभावित हो रहा है। डिहाइड्रेशन से किडनी पर असर गर्मी के चलते शरीर में पानी की भारी कमी भी लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। अस्पतालों में आने वाले तीन से पांच प्रतिशत मरीजों में किडनी संबंधी दिक्कतें सामने आ रही हैं। डाक्टरों के मुताबिक डिहाइड्रेशन की वजह से मरीजों का क्रिएटिनिन स्तर बढ़ रहा है, जो किडनी पर दबाव का संकेत है। लापरवाही पड़ सकती है भारी स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी में लगातार बाहर रहना, पर्याप्त पानी न पीना और खानपान में लापरवाही शरीर को तेजी से बीमार बना रही है। खासतौर पर बुजुर्ग, बच्चे और पहले से बीमार लोग ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। समय पर इलाज से मिल रही राहत राहत की बात यह है कि समय पर जांच और उपचार मिलने से अधिकांश मरीज तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। डाक्टर लोगों को सलाह दे रहे हैं कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें तथा वायरल लक्षण या कमजोरी महसूस होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

राज्यसभा सीट को लेकर कांग्रेस में हलचल बढ़ी

अब दिल्ली से भोपाल तक बैठकों और लॉबिंग का दौर शुरू

भोपाल। मप्र की राज्यसभा सीट को लेकर कांग्रेस में अंदरखाने सियासी उबाल तेज हो गया है। पार्टी की एकमात्र सीट बचाने की चुनौती के बीच अब दिल्ली से भोपाल तक बैठकों और लॉबिंग का दौर शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के दोबारा राज्यसभा नहीं जाने के संकेत देने के बाद कांग्रेस में नए चेहरों की दावेदारी अचानक तेज हो गई है। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से दिल्ली में हुई मुलाकात ने सियासी चचाओं को और गर्म कर दिया है। इस मुलाकात के बाद पार्टी गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। उमंग सिंघार ने नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से मुलाकात की। बताया गया कि इस दौरान राज्यसभा चुनाव के राजनीतिक समीकरण, मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन की स्थिति और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। सिंघार ने प्रदेश संगठन को लेकर फीडबैक रिपोर्ट भी सौंपी। इसके बाद कांग्रेस में यह चर्चा और तेज हो गई कि पार्टी राज्यसभा सीट पर बड़ा राजनीतिक और सामाजिक संतुलन साधने की तैयारी कर रही है।

दिग्विजय सिंह के फैसले से बदला पूरा खेल

कांग्रेस की सबसे बड़ी हलचल की वजह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का फैसला माना जा रहा है। उन्होंने साफ संकेत दिए हैं कि वे इस बार राज्यसभा नहीं जाना चाहते। साथ ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व से किसी नए चेहरे को मौका देने की बात कही है। दिग्विजय सिंह ने अनुसूचित जाति वर्ग से किसी नेता को राज्यसभा भेजने की इच्छा भी जताई है। इसके बाद से कांग्रेस में दावेदारों की कतार लंबी हो गई है। कई वरिष्ठ नेता, युवा चेहरे और संगठन से जुड़े नेता सक्रिय हो गए हैं।

कांग्रेस की सीट पर संकट का साया

मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होना है। इनमें दो सीटें भाजपा के खाते की मानी जा रही हैं, जबकि कांग्रेस के सामने अपनी एकमात्र सीट बचाने की चुनौती है। संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस सीट निकाल सकती है, लेकिन पार्टी को क्रॉस वोटिंग का डर सता रहा है। यदि भाजपा तीसरा उम्मीदवार मैदान में उतारती है तो मुकाबला बेहद दिलचस्प और तनावपूर्ण हो सकता है। कांग्रेस नेताओं को आशंका है कि मतदान के दौरान कुछ विधायक रणनीति बदल सकते हैं। यही वजह है कि पार्टी अब हर विधायक पर नजर बनाए हुए है।

किसानों को खेतों के लिए पर्याप्त पानी मिले यही मेरी प्राथमिकता- विधायक दोगने

शब्द सारांश | हरदा

क्षेत्र के किसानों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित मुहाल माइनर नहर परियोजना में मंगलवार को महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई। हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने के सतत प्रयासों से मुहाल माइनर नहर में पानी की सफल टेस्टिंग की गई एवं नहर में विधिवत रूप से पानी छोड़ा गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. दोगने द्वारा समस्त कांग्रेसजनों व क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर ग्राम पिपल्या में मुहाल माइनर क्रमांक 11/61 नहर स्थल पर पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन किया गया तथा ईश्वर से क्षेत्र के समस्त किसानों की फसल अच्छी होने एवं क्षेत्र में समृद्धि बनाए रखने की कामना की गई। उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणजनों ने नहर में पानी पहुंचने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक डॉ. दोगने को सादे समारोह के दौरान साल श्रीफल भेंट कर पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया व आभार व्यक्त किया।

हरदा विधायक डॉ. दोगने ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रही है। मुहाल माइनर नहर में पानी पहुंचने से ग्राम मुहालकलां, पिपल्या भारत, नीमसराय, कुड़ावा सहित आसपास के ग्रामों के किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी।

इस दौरान हरदा विधायक डॉ. दोगने के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पंवार, खिरकिया जनपद अध्यक्ष रानू पटेल, विधायक प्रतिनिधि दशरथ पटेल, आशुतोष कोठारी, गोविन्द राजपूत, कैलाश पटेल, यशवंत पटेल, राधेश्याम देवड़ा, गोकुल आमे, मोदित, प्रथम पटेल, अंकित चावड़ा, रामगोपाल, कैलाश राजपूत, शंकर देवड़ा, प्रेमनारायण देवड़ा, विपत देवड़ा, रामनारायण देवड़ा, रमेश, विजय, रघुवीर पटेल, लोकेश जायसवाल, गोल्डी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दोस्तों संग पार्टी में चली गोली, बीबीए छात्र की मौत, पिस्टल साफ करने के दौरान हादसे का दावा

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के बेगमपुर इलाके में दोस्तों के साथ पार्टी के दौरान गोली लगने से 21 वर्षीय बीबीए छात्र राजा सिंह की मौत हो गई। घायल अवस्था में दोस्तों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां सोमवार तड़के इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, राजा परिवार के साथ बेगमपुर में रहता था। वह एक निजी कंपनी में काम करने के साथ एसओएल से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था। रविवार शाम जैन नगर स्थित एक दोस्त के घर पार्टी के दौरान यह घटना हुई। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अस्पताल में वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए दर्ज बयान में राजा ने कहा कि दोस्तों को पिस्टल दिखाने और उसे साफ करने के दौरान अचानक गोली चल गई। गोली उसके पेट से होते हुए लिवर में जा लगी। मौके से पुलिस को .32 बोर की पिस्टल मिली। शुरूआती जांच में दोस्तों ने बताया कि पिस्टल राजा की थी। उसके घर से हथियार के कोई दस्तावेज नहीं मिले हैं, जिससे पुलिस अवैध हथियार होने की आशंका जता रही है। पुलिस दोस्तों और परिजनों से पूछताछ कर रही है।

अलग-अलग सड़क हादसों में सीए सहित चार लोग घायल

गाजियाबाद। अलग-अलग सड़क हादसों में सीए सहित कई लोग घायल हो गए। साहिबाबाद निवासी हिमांशु अग्रवाल ने नंदग्राम में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया है कि उनके भाई शुद्धांश अग्रवाल सीए हैं। 21 मई की सुबह करीब सवा पांच बजे वह कार से हिंडन एलिवेटेड रोड रोटरी गोल चक्कर के पास जा रहे थे। सामने से गलत दिशा में तेज रफ्तार कार आई और उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुल गए और शुद्धांश के सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद आरोपी चालक ने एंबुलेंस बुलाई और अपने घायल बच्चे को अस्पताल ले गया। जबकि शुद्धांश को घायल अवस्था में छोड़कर भाग गया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उधर, दिल्ली के बदरपुर निवासी इकबाल अनवर के मुताबिक 22 मई की दोपहर वह बाइक से अपने घर लौट रहे थे। दुहाई के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके दाएं हाथ में दो जगह फ्रैक्चर हो गया। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। तीसरा हादसा वेव सिटी क्षेत्र में लालकुआं के पास हुआ। हापुड़ के बाबूगढ़ स्थित मुगलपुर निवासी सचिन कुमार ने बताया कि उनका भाई विशाल बीती आठ मई की सुबह बाइक से गाजियाबाद आ रहा था। लाल कुआं के पास गलत दिशा में आई कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों का आरोप है कि कार चालक आकाश नशे में था। वह घायल को मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराने के बाद मौके से भाग गया।

गर्भवती महिला ने उत्पीड़न के आरोप में दर्ज कराई प्राथमिकी

साहिबाबाद। एक गर्भवती महिला ने अपने पति, सास व ननद पर उत्पीड़न और ससुर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने 23 मई की रात मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले उनकी शादी दिल्ली निवासी युवक से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही पति मारपीट करने लगा। आरोप है कि उनके ससुर ने अश्लील बातें करते हुए छेड़छाड़ की। जब उन्होंने इसकी शिकायत की पति से की तो फिर से मारपीट की गई। जब वह ढाई माह की गर्भवती थीं तब सास ने उन्हें पीट गया।

हर चौथे छात्र ने मांगी अपनी उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की इस साल की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बोर्ड के परीक्षा परिणामों से असंतुष्ट छात्रों ने देश के इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। इस वर्ष परीक्षा में शामिल हुए कुल परीक्षार्थियों में से हर चौथे छात्र ने बोर्ड से अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी और मार्क्स वेरिफिकेशन की मांग की है। भारत के किसी भी शिक्षा बोर्ड के इतिहास में यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर सीधे तौर पर अविश्वास जताया है। सीबीएसई के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस साल कुल 17.68 लाख स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनकी कुल 98 लाख 60 हजार उत्तर पुस्तिकाओं का ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) यानी डिजिटल मूल्यांकन किया गया था। जैसे ही बोर्ड ने मार्क्स वेरिफिकेशन का ऑनलाइन पोर्टल खोला, आवेदकों की बाढ़ आ गई।

आग से 15 झुग्गियां जलीं, 5 वाहन और एक खोखा जला, जनहानि नहीं

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर-1 स्थित खाली प्लॉट पर बसी झुग्गियों में सोमवार दोपहर करीब 3 बजे भीषण आग लग गई। आग ने 15 झोपड़ियों को चपेट में ले लिया और उनमें रहने वाले लोगों ने भागकर जान बचाई। वहां रखे पांच घरेलू गैस सिलिंडर धमाके के साथ फटे तो आसपास क्षेत्र में भी अफरा-तफरी मच गई। आग से पास की गोशाला भी जलकर राख हो गई। हालांकि पशुओं को सुरक्षित निकाल लिया गया। आग कैसे लगी अभी इसका कारण पता नहीं चल सका है। दमकल विभाग ने 7 वाहनों की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। हालांकि पूरी घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि दोपहर 3:09 बजे वैशाली फायर स्टेशन पर आग की सूचना मिली तो वैशाली और साहिबाबाद फायर स्टेशन से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। आग बुगाने का काम शुरू किया और पड़ोस के बारातघर व होटल से भी अग्निशमन सिस्टम ने आग बुझाने में मदद ली। सात वाहनों के साथ दमकलकर्मी करीब एक घंटे तक मशक्कत करके शाम करीब चार बजे आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि उस समय तक 15 झुग्गियां जलकर राख हो चुकी थीं। आसपास के लोगों की मदद से हादसे के समय झोपड़ी में मौजूद लोगों ने अपनी जान बचाई। जो सामान हाथ लगा उसे लेकर भाग लिए। इस दौरान आग पास की गोशाला तक पहुंच गई तो लोगों ने समय रहते गोवंशों को बाहर निकालकर बचा लिया। गोशाला में घटना के समय 10 से अधिक गाय व गोवंश थे।

गैस सिलिंडरों के धमाके से दहला इलाका

झुग्गियों में निवासियों ने 14 किग्रा वाले घरेलू गैस सिलिंडर प्रयोग के लिए रखे थे। झुग्गियों में आग के बाद धमाके के साथ सिलिंडर फटने शुरू हुए तो 500 मीटर दूर तक आवाजें गूंज उठी। करीब तीन मीटर ऊंचाई तक सिलिंडर के टुकड़े आसमान में उड़कर नीचे गिरे। इस दौरान दमकलकर्मियों ने मशक्कत करके 7 गैस सिलिंडरों को फटने से पहले ही बाहर निकाल लिया। धमाके शुरू होते ही अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि सिलिंडर के टुकड़े मैदान में ही गिरे। यदि आसपास के घरों तक पहुंचते तो बड़ी हानि भी हो सकती थी। आग ने विकराल हुई कि वहां पर कबाड़ का भी काफी ढेर लगा हुआ था।

पांच वाहन और खोखा जलकर हुआ राख

आग हादसे में 15 झुग्गियों के अलावा पांच चार कार और एक खोखा भी जल गया। पुलिस का कहना है कि होटल में ठहरे हुए आगंतुकों और स्थानीय निवासियों के वाहन थे। आग लगने के बाद खोखा संचालक ने भागकर जान बचाई। आग से पांच वाहन और खोखा जल गए।

हादसे कारण स्पष्ट नहीं, दो बातें आई सामने

झुग्गियों में आग किन कारणों से लगी यह स्पष्ट नहीं हो सका है। झुग्गियों में कूलर, टीवी, फ्रिज समेत अन्य इलेट्रॉनिक उपकरण भी रखे थे। जानकारी के अनुसार अवैध रूप से तार डालकर झुग्गियों में बिजली आपूर्ति भी हो रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि मैदान के पास खड़ी कार पर बिजली का तार टूट कर गिरा और उसकी चिंगारी से झुग्गियों में आग लगी। वहीं, अभी तक की दमकल विभाग की जांच में सामने आया है कि खाना बनते समय किसी झुग्गी में निकली चिंगारी से आग लगी। हालांकि दमकल विभाग दोनों बिंदुओं पर जांच कर रहा है।

आग को समय रहते आबादी की ओर पहुंचने से पहले ही बुझा दिया, इस वजह से जनहानि नहीं हुई। सात सिलिंडर फटने से बचाए गए हैं। आग के कारणों का पता लगाने के लिए टीम जांच कर रही है। राहुल पाल, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल

मशीन के अधिक गर्म होने से धधकी आग, रेस्क्यू में बाधा बनी अव्यवस्था

गाजियाबाद। कविनगर के औद्योगिक क्षेत्र स्थित एलएन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में सोमवार शाम लगी आग के पीछे बर्निंग मशीन के अधिक गर्म होने की बात सामने आ रही है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि फैक्टरी के आसपास अतिक्रमण और कच्चा माल बिखरा होने से राहत कार्य में दिक्कत आई। केवल दो दमकल टैंकरों के खड़े होने की ही जगह उपलब्ध थी। ऊपरी मंजिल पर गत्तों, पैकिंग सामग्री और प्लास्टिक वायर के कारण आग तेजी से फैली और भारी धुआं उठता रहा। दमकलकर्मियों को मास्क लगाकर अंदर प्रवेश करना पड़ा।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) राहुल पाल के अनुसार, संजीव सेतिया और विनय सेतिया की एलएन इलेक्ट्रॉनिक्स सहित चार फैक्ट्रियां एक ही परिसर में संचालित हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ऊपरी मंजिल पर बर्निंग मशीन के अधिक गर्म होने से गत्तों में आग लगी, जिसने तेजी से फैलकर विकराल रूप ले लिया।

आग लगने की सूचना करीब 4:07 बजे मिली, जिसके बाद चार व 12 हजार लीटर क्षमता वाले टैंकर मौके पर भेजे गए। स्थिति बिगड़ने पर 22 हजार लीटर क्षमता वाले पांच हौज टैंकर भी बुलाए गए। इसके अलावा हापुड़, बुलंदशहर और मेरठ से भी दमकल टीमें बुलाई गईं।

अलार्म बजते ही सुरक्षित निकाले गए 3241 कर्मचारी

फैक्टरी में आग ऊपरी मंजिल पर लगी, जहां लगभग 40झ50 कर्मचारी कार्यरत थे, जबकि पूरी यूनिट में 3241 कर्मचारी व अधिकारी मौजूद थे। अलार्म बजते ही सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते सभी को बाहर निकाल लिया। इससे बड़ी जनहानि टल गई। कंपनी में रखे केमिकल ड्रम भी समय रहते लोडर की मदद से नीचे उतार लिए गए। हालांकि आग से मशीनें, गत्ते, पैकिंग सामग्री और इलेक्ट्रिकल सामान जलकर राख हो गया। इससे करीब डेढ़ से तीन करोड़ रुपये तक के नुकसान का अनुमान है।

दो घंटे आसपास की फैक्ट्रियां कराई गई बंद

एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य और दमकल टीम ने एहतियातन आसपास की फैक्ट्रियों को खाली कराकर कुछ समय के लिए बंद कराया। आग दीवारों के भीतर ही सीमित रही, लेकिन धुएं के कारण आसपास के क्षेत्र में लोगों को परेशानी हुई।

बिहार के एक शख्स की स्थानीय भाषा का बनाया मजाक, पीटकर किया अधमरा, पीड़ित की हालत गंभीर, उपचार जारी

गुरुग्राम: गुरुग्राम में दो लोगों ने बिहार के एक शख्स के साथ मारपीट की और उसकी स्थानीय भाषा का मजाक बनाया। पुलिस ने बताया कि 21 मई की सुबह लगी गंभीर चोटों और अत्यधिक खून बहने के कारण वह बेहोश हो गया था, फिलहाल एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित आदित्य राज पांडे की शिकायत के अनुसार, घटना वाले दिन जब वह दोनों आरोपियों से मिला, तो वे शराब पी रहे थे। पांडे बिहार के भोजपुर जिले के संडेरा गांव का रहने वाला है। वह फिलहाल गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-3 इलाके में किराए के मकान में रहता है।

पीड़ित ने बताया कि उन्होंने मेरी हिंदी और क्षेत्रीय लहजे का मजाक उड़ाते हुए कहा, हमें तुम्हारी भाषा समझ नहीं आती। जब मैंने उनके इस बर्ताव का विरोध किया तो दोनों ने जमकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि उनके दोस्त उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहाँ उनका अभी इलाज चल रहा है।

वामीका गब्बी ने एक विशेष सवारी के साथ भूल चूक माफ के 1 साल पूरे होने का मनाया जश्न

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपनी फैंटेसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ की रिलीज के एक साल पूरे होने का जश्न ई-रिक्शा की विशेष सवारी के साथ मनाया। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए वामिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो क्लिप अपलोड की, जिसमें वह दुल्हन के लिबास में सजी हुई एक कार में यात्रा करती हुई दिखाई दे रही हैं और रास्ते में सभी को बता रही हैं कि आज उनकी शादी का दिन है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक साल पहले आप सब ने हमारी शादी में शामिल होके हमको इतना प्यार दिया! उसके लिए शुक्रिया! कुछ भूल चूक होगी हो तो माफ कर दीजिएगा।

करण शर्मा के निर्देशन में बनी भूल चूक माफ को दिनेश विजान ने मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

नाटक के प्राथमिक कलाकारों में वामीका, राजकुमार राव और सीमा पाहवा शामिल हैं, जबकि संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, इश्तियाक खान, पूर्णिमा शर्मा, अनुभा फतेहपुरिया और विनीत कुमार सहायक कलाकार के रूप में हैं।

भूल चूक माफ 23 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं।

यह प्रोजेक्ट बनारस के एक छोटे शहर के लड़के रंजन (राजकुमार द्वारा अभिनीत) की कहानी बताता है, जिसे अपनी प्रेमिका तितली (वामिका द्वारा अभिनीत) से शादी करने के लिए सरकारी नौकरी मिल जाती है। हालांकि, वह भगवान शिव से किया एक महत्वपूर्ण वचन भूल जाता है, जिसके कारण वह समय के एक चक्र में फंस जाता है।

अब तकनीकी टीम की बात करें तो, इस ड्रामा की सिनेमैटोग्राफी सुदीप चटर्जी ने की है, जबकि संपादन का जिम्मा मनीष प्रधान के पास है। इसके बाद, वामिका पहली बार करण जौहर की फिल्म कुक्कू की कुंडली में लोकप्रिय यूट्यूबर भुवन बाम के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

इस प्रोजेक्ट का निर्देशन शरण शर्मा कर रहे हैं, जो गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

अक्षय कुमार संग थिरकेंगी अक्षरा सिंह, गाना घिस घिस घिस की पहली झलक रिलीज

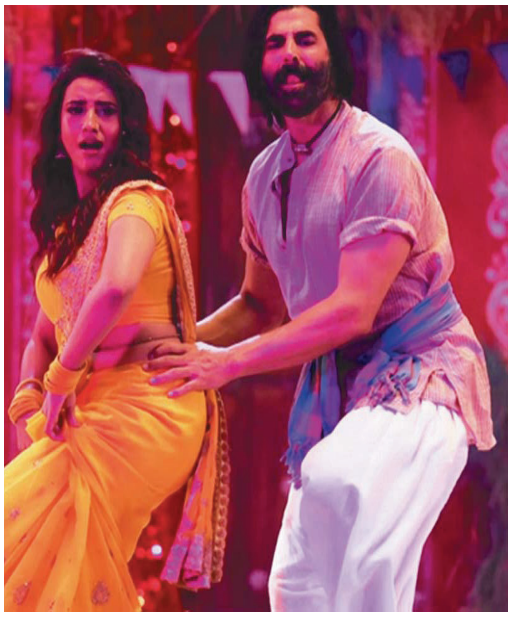

काफी लंबे सय से चल रही तमाम चर्चाओं और अफवाहों पर विराम लगाते हुए अभिनेत्री अक्षरा सिंह और अभिनेता अक्षय कुमार का नया गाना घिस घिस घिस जल्द ही रिलीज होने वाला है। सोमवार को मेकर्स ने नए गाना घिस घिस घिस की झलक जारी कर दी है। यह गाना अक्षय की आगामी फिल्म वेलकम टू द जंगल का हिस्सा है। मेकर्स ने पोस्ट करते हुए इस बात की पुष्टि की कि गाना आज ही रिलीज होगा। हालांकि, उन्होंने इसका कोई निर्धारित समय अभी तक नहीं बताया है। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर गाने का मोशन वीडियो पोस्ट किया। इसमें अक्षय कुमार और अक्षरा सिंह दोनों ही काफी अनोखे और मजेदार अंदाज में थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर अक्षय लिखते हैं, ÷ये तो बस एक छोटी सी झलक हैऽतैयार हो जाइए, क्योंकि अब जंगल का माहौल पूरी तरह बदलने वाला है। गाना घिस घिस घिस आज रिलीज हो रहा है। वहीं, अभिनेत्री अक्षरा सिंह और तुषार कपूर ने भी मोशन वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, ÷फटेगा स्पीकर और ब्रेक होगा पूरा डांस फ्लोर। घिस घिस घिस आज ही रिलीज होगा। गाने की जानकारी मिलते ही फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं, क्योंकि यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि दो इंडस्ट्री का मिलन भी माना जा रहा है। अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अभिनय से लेकर गायिकी तक सभी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में अक्षय की फिल्म के गाने में अक्षरा का होना उनके करियर और इंडस्ट्री के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। अब देखना यह होगा कि आज रिलीज होने के बाद यह गाना यूट्यूब और सोशल मीडिया पर क्या नए रिकॉर्ड बनाता है। अक्षय की इस मोस्ट अवेटेड कॉमेडी-एक्शन फिल्म वेलकम टू द जंगल का फैंस बेसब्री से इंतजरा कर रहे हैं। फिल्म के मेकर्स ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह फिल्म 26 जून से सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ में जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पताः - आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

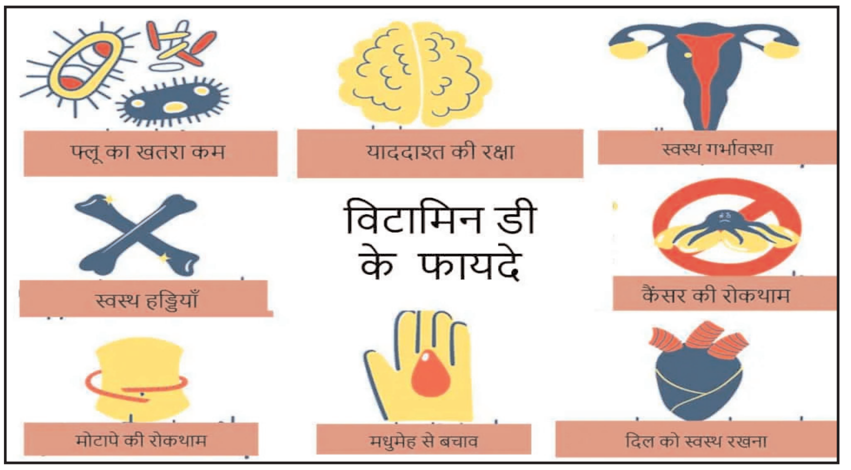

बकरा मंडी में नकली नोट खपाने वाले गिरफ्तार, खरीदे थे बकरे

यूपी। बकरी ईद से पहले गुजरात के सूरत शहर में बकरा मंडी से नकली नोट देकर दो बकरे खरीदने का मामला सामने आया है.यह बात सुनकर आपको हैरानी हो रही होगी मगर यह बात सच है. बकरी ईद के मद्देनजर राजस्थान से बकरा बेचने आया एक कारोबारी सूरत में धोखाधड़ी का शिकार हो गया है. सूरत के लिंबायत इलाके में रहने वाले चार लोगों ने मिलकर राजस्थान के कारोबारी को नकली पचास हजार रुपए चुकाकर दो बकरे खरीद लिये थे. नकली नोट लेकर बकरे बेचने वाले राजस्थान के कारोबारी को दूसरे दिन नोटों के एक जैसे सीरियल नंबर दिखने पर ठगी का एहसास हुआ और उसने मामला सूरत के सचिन पुलिस थाने में दर्ज करवाया था. सूरत शहर की सचिन थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए गंभीरता को देखते हुए महज कुछ ही घंटों के भीतर घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

सूरत के सचिन पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले पलसाना टी प्वाइंट इलाके में ओवर ब्रिज के नीचे बकरी ईद के मद्देनजर बकरा मंडी लगती है. इस मंडी में दूर दराज से लोग अपने बकरा बकरी बेचने आए हैं. गत 17 मई 2026 को शिकायतकर्ता 35 साल के भंवरलाल जयचंद भागरिया , जो बकरे बेचने का व्यवसाय करते हैं, सचिन पल्साना टी-पॉइंट के पास स्थित केबिन के नीचे बकरा बेचने के लिए मौजूद थे. तभी वहां तीन व्यक्ति मोहम्मद उल्फत शेख,नाज़िर अंसारी और रईस सिद्दीकी आए थे. उन्होंने शिकायतकर्ता से 25,000 प्रति बकरा के हिसाब से कुल 50,000 में दो बकरे खरीदने का सौदा तय किया था. इसके बदले उन्होंने शिकायतकर्ता को 500-500 के दर के 100 नोट दिए थे और बकरे लेकर चले गए थे.

युवती को ब्लैकमेल कर गैंगरेप रूह कंपा देगी ये वारदात

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी जिले में एक युवती से गैंगरेप का मामला सामने आया है। यहां सुगौली थाना इलाके में अपने बॉयफ्रेंड से मिलने आई युवती के साथ इस हैवानियत को अंजाम दिया गया है। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। वारदात को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि युवती यहां अपने बॉयफ्रेंड से मिलने आई थी। उसी वक्त चार लोगों ने युवती और युवक को दबोच लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इन लड़कों ने पहले जबरन युवक और युवती का गंदा वीडियो बनाया। इसके बाद इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर इन लोगों ने बारी-बारी से युवती के साथ दुष्कर्म किया। गैंगरेप की वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़िता ने इस मामले में अपने परिजनों को जानकारी दी जिसके बाद थाने में केस दर्ज कराया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक. इधर पुलिस ने इस घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी कर दो आरोपियों को पहले पकड़ा। इसके बाद इनकी निशानदेही पर इनके 3 अन्य साथियों को भी पुलिस ने पकड़ा है। इधर घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल के पास से पुख्ता सबूत जुटाए हैं। रिपोर्ट के मुताबकि, पुलिस का कहना है कि स्पीडी ट्रायल चलाकर पीड़िता को पूर्ण न्याय दिलवाने की कोशिश की जाएगी। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि इस वारदात के बाद इलाके के लोग आक्रोशित हैं। लोग सभी आरोपियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पैसे देने के बहाने बुलाकर इलेक्ट्रिशियन की हत्या, बागपत में सड़क जाम

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक इलेक्ट्रिशियन की बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान चंद्रपाल के रूप में हुई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने उन्हें पैसे देने के बहाने बुलाया और फिर उनकी गर्दन तोड़कर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, चंद्रपाल इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने पहले उन्हें भुगतान करने के लिए बुलाया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर हमला कर दिया। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद उनका शव बरामद हुआ।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग गुस्से में आ गए। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर जाम लगा दिया। सड़क जाम के कारण इलाके में यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध संबंध का खूनी अंत : भतीजे संग मिलकर पत्नी ने रची साजिश

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सामने आई एक खौफनाक वारदात ने रिश्तों, भरोसे और परिवार की परिभाषा पर सवाल खड़े कर दिए हैं. छह साल पहले जिस घर में सात फेरे लेकर नई जिंदगी की शुरुआत हुई थी, वहीं अब हत्या, धोखा और साजिश की कहानी सामने आई है. आरोप है कि पत्नी ने अपने प्रेमी बने भतीजे, बहन और उसके बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति को इतनी दर्दनाक मौत दी कि सुनने वालों की भी रूह कांप जाए.

पुलिस के मुताबिक यह कोई अचानक हुआ गुस्सा नहीं था, बल्कि पूरी प्लानिंग के साथ रची गई साजिश थी. पहले पति को बंधक बनाया गया, फिर बेरहमी से पीटा गया, बिजली के करंट दिए गए और आखिर में जहर पिलाकर मौत के घाट उतार दिया गया. इसके बाद हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए शव को सीढ़ियों से नीचे फेंक दिया गया. घटना मझोला थाना क्षेत्र के ढक्का इलाके की है. पड़ोसियों के मुताबिक रात में घर के अंदर कुछ हलचल जरूर महसूस हुई थी, लेकिन किसी ने अंदाजा नहीं लगाया कि अंदर इतनी बड़ी वारदात हो रही है. कुछ देर बाद अचानक खबर फैली कि पवन ने जहर खाकर जान दे दी और सीढ़ियों से गिर गया. घर के बाहर लोगों की भीड़ जुटने लगी. परिवार वाले रोते-बिलखते दिखाई दिए, लेकिन पुलिस को शुरुआती घटनाक्रम में ही कुछ गड़बड़ी महसूस हुई. जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पवन के शरीर पर चोटों के कई निशान दिखाई दिए. मामला सिर्फ गिरने का नहीं लग रहा था. पोस्टमार्टम और शुरुआती जांच ने पूरे केस को पलट कर रख दिया.

मृतक पवन की शादी करीब छह साल पहले आंचल से हुई थी. दोनों की तीन साल की एक बेटी भी है. आसपास के लोगों के मुताबिक शुरुआत में सब सामान्य था, लेकिन पिछले कुछ समय से पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ने लगा था. जांच में सामने आया कि आंचल का अपने ही रिश्ते के भतीजे अंकित के साथ प्रेम संबंध हो गया था. दोनों की नजदीकियां इतनी बढ़ गई थीं कि पवन को भी शक होने लगा था. घर के अंदर अक्सर झगड़े होने लगे. पवन ने कई बार विरोध किया, लेकिन हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ते चले गए.

पुलिस जांच में जो कहानी सामने आई, उसने हर किसी को हैरान कर दिया. आरोप है कि वारदात वाले दिन चारों आरोपियों ने मिलकर पवन को रास्ते से हटाने का फैसला किया. पुलिस के मुताबिक पहले उसे जहर देने की कोशिश की गई. जब उसने विरोध किया तो उसे बांधकर बेरहमी से पीटा गया. इसके बाद बिजली के तारों से करंट दिया गया. करीब तीन घंटे तक पवन दर्द से तड़पता रहा. हालत बिगड़ने पर आरोपियों ने उसे दोबारा जहर पिलाया. जब उसकी मौत हो गई तो चारों ने मिलकर पूरी कहानी को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की.

पुलिस की फुर्ती से बची नाबालिग, तीन आरोपी गिरफ्तार

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में पुलिस ने 8 वर्षीय लड़की के अपहरण के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र दो घंटे के अंदर बच्ची को सुरक्षित बचा लिया। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार 25 मई को टिकरी पंगेरी निवासी सिंदूर सिंह ने पुलिस स्टेशन रेहम्बल में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी 8 वर्षीय बेटी श्वांशी देवी को स्कूल जाते समय कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने अगवा कर लिया। शिकायत मिलते ही पुलिस स्टेशन रेहम्बल की टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, टीम का नेतृत्व एसएचओ इंस्पेक्टर परषोत्तम शर्मा कर रहे थे। पुलिस ने तलाशी अभियान चलाते हुए पंजीकरण संख्या एचपी64ए-9928 वाले संदिग्ध वाहन को खून-बट्टल नामक स्थान पर रोका और नाबालिग लड़की को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने गंजा सिंह निवासी रामबन, रीता देवी, दीप राम निवासी सोलन (हिमाचल प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। तीनों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उन्होंने किस मकसद से बच्ची का अपहरण किया। इसी के साथ ही साथ तीनों के अपराध रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। दूसरी ओर बच्ची के सकुशल मिलने से परिवार में खुशी लौट आई है। परिवार के लोगों ने स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों को आभार जताया है। दूसरी ओर बेंगलुरु में लापता हुए तीन साल के एक बच्चे को बेंगलुरु सिटी पुलिस की तेज कार्रवाई के बाद सुरक्षित बचा लिया गया और उसके माता-पिता से मिला दिया गया। पुलिस विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना 24 मई को शाम करीब 6ः02 बजे रिपोर्ट की गई थी, जब एक ट्रैवल ऑफिस के प्रतिनिधि ने नम्मा 112 इमरजेंसी हेल्पलाइन पर संपर्क किया।

बार के अंदर कहासुनी के बाद कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या में एक बार में कहासुनी के बाद एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

मांड्या की पुलिस अधीक्षक वी.जे. शोभारानी के अनुसार, आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। बता दें कि 19 मई को मद्दुर तालुक के के. होन्नालगिरे गांव में वारदात को अंजाम दिया गया था। 29 वर्षीय सुनील की कथित तौर पर एक बार के अंदर शुरू हुई कहासुनी के बाद कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई थी।

वारदात के बाद मद्दुर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि सुनील की शादी छह महीने पहले ही हुई थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मद्दुर तालुक के अज्जाहल्ली गांव के निशांत और कार्तिक, और गुलुरदोड्डी क रवि के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, निशांत ने अशोक नाम के एक व्यक्ति से 5 लाख रुपये उधार लिए थे, जो बार-बार उस कर्ज को चुकाने की मांग कर रहा था। पुलिस ने बताया कि निशांत कथित तौर पर अशोक का सामना करने के इरादे से अपनी कार में एक लंबी लाठी लेकर आया था। घटना वाले दिन निशांत कथित तौर पर के. होन्नालगिरे के %दीपा बार% में शराब पी रहा था और नशे की हालत में था। पुलिस ने बताया कि वह बार के कैशियर को बार-बार %बॉस, बॉस% कहकर बुला रहा था। पास की ही एक मेज पर सुनील और उसके दोस्त भी शराब पी रहे थे।

चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली की पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में चोरी की 18 वारदातों में शामिल एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 3.98 लाख रुपए कैश, चोरी किए गए तांबे के तारों के 22 बंडल, दो वाहन और चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपियों की पहचान शाहदरा के खेड़ा निवासी सोनू (32) और उत्तर प्रदेश के लोनी स्थित न्यू विकास नगर के रहने वाले आरिफ (26) और चांद (30) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि सोनू टेंपो ड्राइवर, जबकि आरिफ और चांद टीएसआर (ऑटो रिक्शा) ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। ये गिरफ्तारियां 12 और 13 मई की दरमियानी रात को महरौली स्थित इग?नू रोड पर एक बिजली की दुकान में हुई सेंधमारी के सिलसिले में की गई हैं। पुलिस के अनुसार, चोरों ने दुकान का शटर तोड़ दिया और अंदर रखे तांबे के तार के बंडलों के साथ-साथ कैश चोरी कर लिया था।

महरौली पुलिस स्टेशन में %भारतीय न्याय संहिता% की संबंधित धाराओं के तहत एक ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद एसएचओ महरौली इंस्पेक्टर रितेश शर्मा के नेतृत्व और एसीपी महरौली रघुबीर सिंह की देखरेख में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी निगरानी का इस्तेमाल किया। इससे पता चला कि यह गिरोह अपनी पहचान छिपाने के लिए नकली नंबर प्लेट लगी एक कार का इस्तेमाल करता है। पुलिस ने सबसे पहले सोनू को एक %स्विफ्ट डिजायर% कार के साथ पकड़ा। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने चोरी के तांबे के तार के बंडल और लोहे की दो छड़ें बरामद कीं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर दुकान के शटर तोड़ने के लिए किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)